UP Board Solutions for Class 7 Hindi Chapter 18 रानी चेन्नम्मा (महान व्यक्तित्व)

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1:
अँग्रेज क्यों नहीं चाहते थे कि रानी किसी उत्तराधिकारी को गोद लें?
उत्तर:
अँग्रेज कित्तूर को अँग्रेजी राज्य में मिलाना चाहते थे। इस कारण वे रानी को उत्तराधिकारी गोद नहीं लेने देना चाहते थे।

प्रश्न 2:
रानी चेन्नम्मा के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया और क्यों?
उत्तर:
रानी की वीरता, साहस, स्वदेशप्रेम, उदारता और उत्सर्ग' ऐसी विशेषताएँ हैं, जिनसे हम बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। इसका कारण यह है कि सीमित साधन होते हुए भी स्वाधीनता के लिए इतना साहस दिखाकर रानी चेन्नम्मा ने अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रश्न 3:
इस पाठ में रानी के व्यक्तित्व की किन-किन विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है?
उत्तर:
विद्यार्थी इसे प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न 2 का उत्तर देखें।

प्रश्न 4:
पता कीजिए

(क) कुछ और वीर महिलाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।
उत्तर:
कुछ वीर महिलाएँ जिन्होंने अपने देश के लिए प्राण-न्योछावर कर दिए हैं, उनके नाम- रानी दुर्गावती, चाँद बीबी और लक्ष्मी बाई हैं।

प्रश्न 5:
नोट- विद्यार्थी अपने शिक्षक/शिक्षिका की सहायता से स्वयं करें।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 6:
वर्तनी शुद्ध कीजिए (वर्तनी शुद्ध करके)
उत्तर:
व्यक्ती- व्यक्ति, आकृमण- आक्रमण, आहूति- आहुति, सौभाज्ञ- सौभाग्य।

प्रश्न 7:
पाठ में आए मुहावरे छाँटकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए (प्रयोग करके)
उत्तर:
देखते रह जाना- प्रभावित होना-चेन्नम्मा की वीरता और सौन्दर्य पर मुग्ध होकर मल्लसर्ज देखते ही रह गए।

अन्तिम साँस गिनना:
मरने के करीब होना- पुत्र वीरनारायण के अन्तिम साँस लेने के समय भी रानी दुर्गावती युद्ध करती रही। | प्राणों की आहुति देना- बलिदान हो जाना— चेन्नम्मा के वीर सैनिकों ने कित्तूर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

टूट पड़ना:
हमला कर देना-क्रान्तिकारी, आराम करती अँग्रेजी सेना पर टूट पड़े।

मुँह की खाना:
हार जाना तराइन की पहली लड़ाई में पृथ्वीराज के सम्मुख गोरी को मुँह की खानी पड़ी।

दाल ने गलना:
सफल न होना-कित्तूर पर अधिकार जमाने में अँग्रेजों की दाल नहीं गली, तो उन्होंने हमला कर दिया।

प्रश्न 8:
संही विकल्प को चुनिए (सही विकल्प चुनकर)
रानी चेन्नमा ने अंग्रेजों के सभी प्रलोभन ठुकरा दिए, क्योंकि

- वह बहुत संम्पन्न थीं।
- **वह कित्तूर की स्वाधीनता बेचने को तैयार न थीं।**
- उन्हें अंग्रेजों पर विश्वास न था।

प्रश्न 9:
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (पूर्ति करके)

- रानी चेन्नम्मा ने प्रण किया कि वे **जीते जी कित्तूर को अंग्रेजों के हवाले नहीं करेंगी।**
- **बेलहोंगल में बना रानी चेन्नम्मा स्मारक तथा धारवाड़ में बना कित्तूर चेन्नम्मा पार्क** रानी की वीरता, त्याग व उत्सर्ग की याद दिलाते हैं।\

https://www.evidyarthi.in/